सारे जहाँ से अच्छा, हिन्दोस्तां हमारा हम बुलबुलें
हैं इसकी, ये गुलिस्तां हमारा

ग़ुर्बत में हों अगर हम, रहता है दिल वतन में समझो
वहीं हमें भी, दिल हो जहाँ हमारा

परबत वो सबसे ऊँचा, हमसाया आसमां का वो
संतरी हमारा, वो पासबां हमारा

गोदी में खेलती हैं इसकी हज़ारों नदियाँ गुल्शन है
जिनके दम से रश्क-ए-जनां हमारा

मज़हब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना हिन्दी
हैं हम, वतन है हिन्दोस्तां हमारा

यूनान-ओ-मिस्र-ओ-रूमा, सब मिट गए जहाँ
से अब तक मगर है बाक़ी, नाम-ओ-निशां हमारा

कुछ बात है कि हस्ती, मिटती नहीं हमारी सदियों
रहा है दुश्मन दौरे ज़मां हमारा

सारे जहाँ से अच्छा, हिन्दोस्तां हमारा हम बुलबुलें
हैं इसकी, ये गुलिस्तां हमारा

PDF By: RojgarMetro.Com